संभवत : बारिश के बाद शुरू हो सकता है सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम

नवभारत न्यूज

बैतूल, 7 जून. पिछले एक दशक में शहर का तेजी से विस्तार हुआ है। 2014 में जहां शहर में मकानों की संख्या 15 हजार 556 थी, वह आज बढकर 30 हजार के पार पहुंच चुकी है।

शहर में बिछेगी 163 किमी लंबी पाइप लाइन

लोगों को मिलेगा खुली नालियों से छूटकारा

आबादी बढने् के साथ ड्रेनेज का पानी भी दोगुना हो गया है। पहले प्रतिदिन 2 करोड़ लीटर गंदा पानी निकलता था, जो अब बढकर 4 करोड़ लीटर प्रतिदिन हो गया है। ड्रेनेज सिस्टम न होने के कारण शहर की स्वच्छता रैंकिंग लगातार गिर रही है। लेकिन अब सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण में आ रही सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। जिस 77 हजार वर्गफीट जमीन पर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) ने आपत्ति जताई थी, वह ऑब्जेक्शन अब पूरी तरह से हट गया है। इस फैसले के बाद 105 करोड़ रुपए के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अंडरग्राउंड ड्रेनेज प्रोजेक्ट पर तेजी से काम शुरू हो सकेगा और बहुप्रतीक्षित इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद शहर में खुले नाले और नालियां दिखना बंद हो जाएंगे। दरअसल नगरपालिका ने अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम के लिए ट्रीटमेंट प्लांट के लिए माचना नदी के किनारे जो 77 हजार स्क्वेयर फीट जमीन चयनित की थी, वह पहले बस स्टैंड मद में दर्ज थी। इसी कारण टीएंडसीपी ने मंजूरी देने से मना कर दिया था। लेकिन अब काम करने की अनुमति दे दी है।

बनेगा 16 एमएलडी क्षमता वाला ट्रीटमेंट प्लांट : सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण का प्रोजेक्ट 105 करोड़ रुपए का है, जिसमें 163 किमी लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 16 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाएगा। इस ट्रीटमेंट प्लांट में घरों के बाथरूम से निकलने वाले गंदे पानी को रिसाइकिल कर शुद्ध किया जायेगा। ट्रीटमेंट प्लांट प्रतिदिन 1 करोड़ 70 लाख लीटर प्रदूषित पानी को रिसाइकिल कर शुद्ध करेगा, ताकि इसका उपयोग अन्य कार्यों के लिए किया जा सके। ट्रीटमेंट प्लांट को इसलिए बड़ा बनाया जा रहा हैं ताकि भविष्य में यदि घरों की संख्या बढ़ती हैं या शहर का विस्तार होता हैं तो प्लांट का संचालन ठीक तरह से हो सके। इसके साथ ही परियोजना के पूर्ण होने पर माचना नदी में नालों का गंदा पानी गिरना बंद हो जाएगा।

खुली नालियां भी लोगों के लिए परेशानी : शहर के 33 वार्डों में गंदे और निस्तारी के पानी की निकासी के लिए नालियों के निर्माण में काफी पैसा खर्च होता है। कई वार्ड ऐसे भी हैं, जहां नालियाँ ना होने या टूट फूट हो जाने से रहवासियों को मुसीबतें झेलना पडता है। ज्यादा परेशानी नालियों के खुले रहने से उठानी पड़ती है। नालियां खुली होने से नालियों में कचरा तो एकत्रित होता ही है, साथ ही नालियों के जाम होने और गंदगी के कारण मच्छरों की समस्या भी उत्पन्न होती है। ऐसे में सीवरेज लाइन निर्माण के प्रोजेक्ट से नागरिकों को खुली नालियों से मुक्ति और शहर की जनता को गंदगी आदि से निजात मिल सकेगी। साथ ही स्वच्छ वातावरण भी मिल पायेगा।

12 साल में खर्च किये 50 लाख : इस प्रोजेक्ट पर 12 साल में करीब 50 लाख रूपये खर्च किये गये। बताया जा रहा है कि वर्ष 2014 में ड्रेनेज सिस्टम को अंडरग्राउंड करने के लिए सर्वे किया गया, जिस पर लगभग 18 लाख रुपए खर्च हुए। तब 52 किमी लंबी पाइप लाइन बिछाने और करबला घाट पर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की योजना थी। इसके बाद वर्ष 2016 अमृत योजना के तहत 10 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाया।

> ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए जो 77 हजार स्क्वेयर फीट जमीन देखी गई थी, उस पर पहले टीएंडसीपी का ऑब्जेक्शन था, लेकिन अब यह ऑब्जेक्शन हट गया है। संभवत- बारिश के बाद काम शुरू हो सकता है।
>
> **– नगेन्द्र वागद्रे,** सब इंजीनियर, नपा बैतूल

हाथी नाला भी पूरी तरह से हो जायेगा अंडरग्राउंड

सबसे बड़ी बात यह है कि शहर के बीच से गुजरने वाला 5 किमी लंबा हाथी नाला भी पूरी तरह से अंडरग्राउंड हो जाएगा, जिससे शहर की सूरत ही बदल जाएगी। बता दें कि बैतूल शहर के ड्रेनेज सिस्टम को अंडरग्राउंड करने की कवायद पिछले 12 सालों से चल रही है। इस अंतराल में तीन बार योजनाएं बनीं, सर्वे हुए, और ड्राइंग डिजाइन के लिए कंसल्टेंट नियुक्त किए गए। इन कागजी कार्यवाहियों पर लगभग 50 लाख रुपए फूंक दिए गए हैं। लेकिन चयनित जमीन पर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) ने आपत्ति जताई थी, जिसकी वजह से यह प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो पाया था, लेकिन अब ऑब्जेक्शन पूरी तरह से हट गया है। जिसके बाद इस प्रोजेक्ट को लेकर जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

ड्रेनेज सिस्टम न होने के कारण पिछड़ रही रैंकिंग

ड्रेनेज सिस्टम न होने के कारण शहर की स्वच्छता रैंकिंग लगातार गिर रही है। ऊपर से नालों के आसपास रहने वाले लोगों को बदबू से परेशान होना पड़ता है। खुले नाले और नालियों की वजह से गंदगी के कारण मच्छर भी पनपते है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किन्तु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण से लोगों को जहां गंदगी और दुर्गंध से निजात मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ खुले नाले और नालियां दिखना बंद हो जाएंगे और शहर की सूरत ही बदल जाएगी। फिलहाल इस प्रोजेक्ट का प्रपोजल बनाकर राज्य स्तरीय तकनीकी समिति को भेज दिया है। मंजूरी मिलते ही काम शुरू किया जायेगा।

एक नजर में

प्रतिदिन योग कक्षाओं का आयोजन

बैतूल। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शासन के द्वारा प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से 7 बजे तक जिला जनसंपर्क कार्यालय के सामने स्थित भवन में निशुल्क योग कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित इन कक्षाओं में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जा रहा है। योग प्रशिक्षकों ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर निकली रैली

बैतूल। जिला पंचायत द्वारा पर्यावरण संरक्षण पखवाड़े के तहत विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को ग्राम पंचायत कढ़ाई में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से फिट इंडिया अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उपस्थित रही। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धुर्वे ने कहा कि साइकिल का नियमित उपयोग स्वास्थ्य संवर्धन के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस दौरान प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

योग दिवस की तैयारियों में जुटा आयुष विभाग

बैतूल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर आयुष विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर योग दिवस के पूर्वाभ्यास एवं आयोजन की जानकारी दी तथा उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। आयुष विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, पार्षद वर्षा बारस्कार, तरुण भैया एवं बंडू भैया से सौजन्य भेंट कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्वाभ्यास की रूपरेखा से अवगत कराया।

युवक की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी फरार, पुलिस कर रही जांच

बैतूल। झल्लार थाना क्षेत्र में कथित मारपीट के बाद 19 वर्षीय युवक गोलू कासदेकर (कासदे) पुत्र विसराम कासदे की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, 5 जून की रात करीब 11.30 बजे गोलू चांदू पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने गया था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि कुछ युवकों ने किसी अन्य विवाद के शक में गोलू के साथ लकड़ी और डंडों से मारपीट की। बताया जा रहा है कि आरोपी किसी अन्य व्यक्ति की तलाश कर रहे थे, लेकिन शक के आधार पर उन्होंने गोलू को निशाना बना लिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल गोलू को पहले जिला अस्पताल बैतूल लाया गया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे नागपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे इलाज के लिए नागपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को वापस बैतूल लाया गया। रविवार को जिला अस्पताल बैतूल में युवक का पोस्टमार्टम किया गया। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण मौजूद रहे। परिजनों का आरोप है कि गोलू की मौत मारपीट के दौरान आई गंभीर चोटों के कारण हुई। उनका कहना है कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं था और वह मजदूरी कर परिवार का सहारा था। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। झल्लार थाना प्रभारी वाहिद खान ने बताया कि युवक की मौत के बाद जिला अस्पताल में मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त होने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को विवाद की प्रारंभिक जानकारी मिली है और संभावित आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

दुकान में आग लगने से फर्नीचर जलकर राख

मुलताई। नगर के रेल्वे स्टेशन रोड पर स्थित एक फर्नीचर दूकान में रविवार की सुबह आग लगने से दूकान में रखा फर्नीचर जलकर राख हो गया।नगर पालिका के फायर कर्मचारी सुमित पूरी ने बताया रविवार की सुबह करीब 9 बजे स्टेशन रोड ताप्ती वार्ड में स्थित जगदीश पवार की अदिती फर्नीचर दूकान में आग लग गई।आगजनी की सूचना मिलने पर नगर पालिका मुलताई से दोनों फायर वाहन एवं आठनेर नगर परिषद से फायर वाहन मौके पर पहुंचे एवं आग बुझाई गई। आगजनी से दूकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने में फायर चालक राहुल चंडालिया, सुनील सावंत, फायरमैन भूपेंद्र राठौर, गिरीश पिपले, सतीश लहरपुरे की सराहनीय भूमिका रही।वहीं दूसरी और रविवार की सुबह 10.45 बजे पटेल वार्ड में पंजाब नेशनल बैंक के पडोस में रमेश डहारे के अधूरे बने बेसमेंट में पड़े कचरे में आग लगने से फुटकर विक्रेताओ की झाड़ू का मटेरियल आग की चपेट में आने से जलकर राख हो गया।आग बुझाने में फायर चालक धनराज पवार फायरमैन गिरीश पिपले, सुमित पूरी की सराहनीय भूमिका रही है।

बेरोजगार युवाओं ने विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे को ज्ञापन सौंपा

पाथाखेड़ा। सुपर क्रिटिकल प्लांट में रोजगार को लेकर क्षेत्र के स्थानीय युवाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिन युवाओं ने पांच वर्ष पूर्व क्षेत्र के औद्योगिक भविष्य और रोजगार की उम्मीदों को लेकर आंदोलन की मशाल थामी थी, वही युवा आज रोजगार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। क्षेत्र में सुपर क्रिटिकल प्लांट की स्थापना के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और जागरूक नागरिकों ने लंबे समय तक संघर्ष किया था। आंदोलन, ज्ञापन और जनअभियानों के बाद जब यह मेगा प्रोजेक्ट क्षेत्र में आया, तब स्थानीय बेरोजगार युवाओं को उम्मीद थी कि उन्हें अपने ही क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार मिलेगा, लेकिन वर्तमान हालात ने इन उम्मीदों को गहरे आघात पहुंचाया है।स्थानीय युवाओं ने ठेका कंपनी चाणक्य चिनार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कंपनी ने रोजगार देने के बजाय फूट डालो और राज करो जैसी नीति अपनाई है। युवाओं का आरोप है कि कुछ कथित दलालों और स्वार्थी तत्वों को अपने पक्ष में कर कंपनी स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार से दूर कर रही है। युवाओं का कहना है कि ये लोग पुराने रसूख और प्रभाव का इस्तेमाल कर कंपनी प्रबंधन को गुमराह कर रहे हैं।

ई-टोकन प्रणाली की किसानों को दी जानकारी

बैतूल। कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को फॉर्मर आईडी, ई-टोकन विकास प्रणाली तथा प्राकृतिक खेती संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए रविवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विकासखंड घोड़ाडोंगरी की ग्राम पंचायत पाढर में आयोजित फॉर्मर आईडी शिविर में किसानों को ई-टोकन विकास प्रणाली के माध्यम से खाद प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित किसानों को खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती, अंतर्वर्तीय फसल पद्धति तथा बुवाई की वैज्ञानिक विधियों के संबंध में भी जागरूक किया गया। इसी प्रकार विकासखंड भीमपुर के ग्राम भीमपुर में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए तथा प्राकृतिक खेती अपनाने के लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से खाद उठाव की प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। विकासखंड बैतूल में डीएसी कोर्स के अभ्यर्थियों को प्राकृतिक खेती के महत्व, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा ई-विकास प्रणाली से खाद प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। किसानों के बीच योजनाओं एवं तकनीकों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी निर्देशित किया।

बैठक में सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार पर बनी रणनीति

बैतूल। भारतीय मजदूर संघ जिला बैतूल की जिला कार्यसमिति की बैठक बिजली कर्मचारी महासंघ कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध पंजीकृत यूनियन, महासंघ एवं सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में सदस्यता संख्या बढ़ाने, संबंधता शुल्क, ई-फॉर्म, नवीन संगठन पंजीयन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ, अंशकालिक मजदूर संघ, भवन निर्माण मजदूर संघ तथा कृषि ग्रामीण मजदूर संघ के अधिवेशन सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने की रणनीति भी बनाई गई। बैठक में उपस्थित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, कार्यसमिति सदस्य राजेश मंसूरिया, जिलामंत्री पंजाबराव गायकवाड, जिला उपाध्यक्ष राकेश नामदेव, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सचिन राय, बिजली कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष चंद्रभान पंडाग्रे, राहुल चडोकार, राजू साहू सहित बड़ी संख्या में भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयुष विभाग ने 218 मरीजों का किया उपचार

बैतूल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भौंरा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आयुष विभाग द्वारा 218 मरीजों का नि:शुल्क उपचार कर औषधियों का वितरण किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी टीम ने सक्रिय रूप से सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके की उपस्थिति में मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. प्रहलाद नागले, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. रैना कासदे सहित डॉ. ज्योति कुमरे, डॉ. शैलेंद्र कृष्ण तिवारी, डॉ. ललिता धाकड़े समेत कुल 13 कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। शिविर में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता, उदर रोग, वात रोग और दंत रोग सहित विभिन्न बीमारियों के मरीजों का उपचार कर नि:शुल्क औषधियां वितरित की गईं। साथ ही सरल योग क्रियाएं, योगाभ्यास और रोगानुसार योग की जानकारी भी दी गई। आयुर्वेद के 116 एवं होम्योपैथी के 102 लाभार्थियों सहित कुल 218 लोगों ने आयुष सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की।

गुप्तेश्वर मंदिर का सीसीटीवी तोड़ डीवीआर ले गए अज्ञात बदमाश

बैतूल। आठनेर के चौरागढ़ स्थित गुप्तेश्वर मंदिर में एक बार फिर संदिग्ध गतिविधियों ने मंदिर प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। अज्ञात बदमाशों ने रात के अंधेरे में मंदिर परिसर में घुसकर गर्भगृह का ताला तोड़ा, दान पेटी को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया तथा सुरक्षा व्यवस्था को निशाना बनाते हुए सीसीटीवी कैमरे तोड़कर डीवीआर अपने साथ ले गए। घटना के बाद भोला मंडल चौरागढ़ गुप्तेश्वर समिति ने थाना आठनेर में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। समिति द्वारा थाना प्रभारी आठनेर को दिए गए आवेदन के अनुसार 5 जून की रात अज्ञात व्यक्तियों ने मंदिर परिसर में प्रवेश किया। आरोप है कि बदमाशों ने गर्भगृह के ताले तोड़ दिए और दान पेटी को भी तोड़ने का प्रयास किया। घटना से मंदिर परिसर में दहशत और आक्रोश का माहौल है। समिति ने शिकायत में बताया कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के दौरान मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया तथा कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने वाला डीवीआर भी चोरी कर ले गए। इससे घटना के साक्ष्य जुटाने में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा मंदिर की भोजनशाला का ताला भी तोड़े जाने की जानकारी आवेदन में दी गई है। समिति के अनुसार यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मंदिर में चोरी का प्रयास किया जा चुका है, जिसकी सूचना आठनेर थाने में दी गई थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। घटना की जानकारी मिलते ही समिति के सदस्य मंदिर परिसर पहुंचे और तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। समिति अध्यक्ष सहित सदस्यों ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर अज्ञात आरोपियों का पता लगाने कार्रवाई करने की मांग की है।

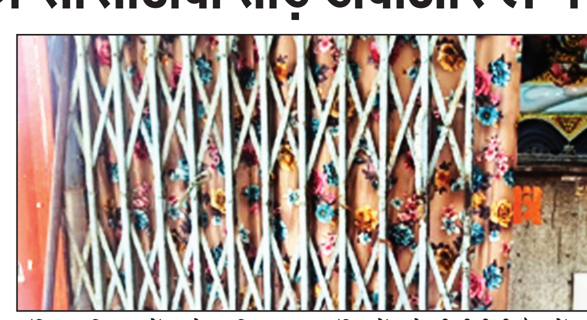

मदद आगजनी पीड़ितों के लिए प्रदीपन संस्था ने पहुंचाया एक माह का राशन और जरूरी सामग्री

बर्राढ़ाना के 20 प्रभावित परिवारों को बांटा राशन और कपड़े

बैतूल। भीमपुर विकासखंड के आदिवासी ग्राम मोहदा के बर्राढ़ाना में आगजनी की घटना से प्रभावित 20 परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए प्रदीपन संस्था ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से एक माह का राशन, वस्त्र एवं आवश्यक सामग्री वितरित की।

संस्था का मानना है कि प्राकृतिक हो या मानव सृजित, हर प्रकार की आपदा में प्रभावित लोगों की मदद करना और समाज को आपदा प्रबंधन एवं बचाव के प्रति जागरूक बनाना उसका प्रमुख उद्देश्य है। उल्लेखनीय है कि विगत 2 मई को बर्राढ़ाना में भीषण आगजनी की घटना में 20 परिवारों के मकान जलकर खाक हो गए थे। घटना के बाद प्रभावित परिवारों को तत्काल सामाजिक और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता थी। जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने आर्थिक सहायता एवं हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया, वहीं गांव और आसपास के लोगों ने नमक, मिर्च, अनाज सहित अन्य जरूरी सामग्री पहुंचाकर पीड़ितों के दुख को बांटने का प्रयास किया। जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी रसोई सामग्री और कपड़ों की व्यवस्था कर प्रभावित परिवारों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में योगदान दिया। प्रदीपन संस्था और मानव सेवा समिति ने भी तत्काल वस्त्र उपलब्ध कराए थे। प्रदीपन संस्था की डायरेक्टर ने बताया कि आगजनी जैसी घटनाओं में परिवार अचानक बेघर और असहाय हो जाता है तथा उसे दोबारा गृहस्थी बसाने के लिए भोजन, पानी, कपड़े, दवाइयों, रसोई सामग्री, पानी संग्रहण एवं अनाज सुरक्षित रखने जैसी अनेक आवश्यक वस्तुओं की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्था ने प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इसी क्रम में 6 जून को प्राथमिक शाला मोहदा बर्राढ़ाना में राहत सामग्री का वितरण किया गया। प्रत्येक प्रभावित परिवार को 15 किलो आटा, 2 किलो दाल, 10 किलो चावल, 2 किलो खाद्य तेल, शक्कर, चायपत्ती तथा सभी प्रकार के मसाले उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही लगभग 8 क्विंटल कच्चा खड़ा अनाज भी वितरित किया गया। प्रत्येक परिवार को एक मराठी साड़ी सहित अन्य वस्त्र भी प्रदान किए गए ताकि प्रभावित किसान अपनी खेती-बाड़ी और दैनिक कार्यों को फिर से शुरू कर सकें। संस्था ने विश्वास व्यक्त किया कि शासन, प्रशासन और समाज के सहयोग से प्रभावित परिवार जल्द ही अपने जीवन को पुन: व्यवस्थित कर सकेंगे और उनके घरों में फिर खुशियां लौटेंगी। इस अवसर पर सभी परिवारों ने भविष्य में किसी भी प्रकार की आपदा से बचाव के लिए सदैव जागरूक, सचेत और सावधान रहने का संकल्प भी लिया।

अन्याय बढ़ता है तब भगवान अवतार लेते है : ठाकुर

मुलताई। मां ताप्ती की उदगम स्थली पवित्र नगरी में मेला मैदान पर अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर ने दूसरे दिन रविवार को सुखदेव जन्म की कथा सुनाई ।कथा का शुभारम्भ मां ताप्ती की आरती के साथ हुआ। उन्होंने कथा सुनाते हुए कहा भगवान भी भक्तो का ध्यान रखते है ।भगवान से वहीं मांगना चाहिए जो पाजेटिव हो ।व्यक्ति जिस मनोरथ से श्रीमद भागवत कथा सुनेगा, उसका वह मनोरथ पूर्ण हो जाएगा ।लेकिन श्रद्धा होना चाहिए ।निसंतान को संतान की प्राप्ति होंगी, जिस मोक्ष को पाने के लिए ब ? ब ? ऋषि मुनि तप करते है,वही निष्काम भाव से कथा सुनने से मोक्ष प्राप्त हो जाएगा। इस भाव से कथा सुनो मै गोविंद का हूं एवं गोविंद हमारे ।जो सच्चा हिन्दू होगा वह हिन्दू धर्म के लिए अपनी जान दे देंगा ।तुम धर्म की रक्षा करे, धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा। जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है भगवान धरती पर अवतार लेते है ।रामायण और महाभारत ही परिवार टूटने से बचा सकते है ।जिनके पूर्व जन्म के पाप अधिक होते है, वे पूरी कथा नही सुन सकते, उन्हें नींद आ जाती है ।जिनके जीवन में राम नही है उन्हें विश्राम नही,जिनके जीवन में राम है,उनके जीवन में विश्राम है। हिमालय पर भगवान भोलेनाथ से माता पार्वती कथा सुनाने का अनुरोध करती है लेकिन भोलेनाथ उन्हें मना करते है,बार बार अनुरोध पर वे कथा सुनाते, बीच कथा में पार्वती सो जाति है, जहां पर सुख चोरी से कथा सुनते है, भगवान ये देख लेते है और भक्त सुख से उनका युद्ध प्रारम्भ हो जाता है।